जायद बही

जिलद—बाबत महकमा सब-रजिस्ट्रार

कीमत अशटाम्प	नम्बर शुमार अन्दराज मुआमिले कैफियत और नोटिस और कीमत रजिस्ट्री व दीगर रसूम और तावान वसूल शुदा
नोट:—यह खाना इस किसम के नोटों के लिये भी इस्तेमाल हो सकते हैं जो मामूली किताब नं० 4 के खाना कैफियत में लिखे जाते हैं	R.10 = 10

वसीयत

विषय वसीयत
किताब तीन
नम्बर 322.

R.F = 500
CF = 20
Total = 520

Sub Registrar
Distt. Bilaspur

ल Government Judicial Paper

(नमूना)
वसीयतनामा
मुझे।
मुझ [illegible] उम्र 55 साल
[illegible] पुत्र [illegible] सकना
[illegible] परगना बेलासपुर
[illegible] जिला बिलासपुर हूं मुझ
[illegible]
[illegible] बूढ़ा आदमी है,
[illegible] में सेवा मीजरूल है।
[illegible] ग्राम [illegible] परगना
[illegible] तहसील [illegible] जिला
[illegible] मालीक [illegible]
[illegible] है और
[illegible] का भी मालिक
[illegible] है।
[illegible] पुत्र कोई नहीं है।
[illegible] पास पुश्तैनी मौरूसी
[illegible] सकना
[illegible] व [illegible]
[illegible] जायदाद है।
[illegible] अपनी चार पुश्तैनी
[illegible] सकना
[illegible] नामजद की है।
[illegible] अपने अपने [illegible] आबाद हैं।
[illegible] ने [illegible] मौरूसी [illegible]
[illegible] दिया है और वह
[illegible] नहीं करती हैं।
[illegible] जायदाद

(नकल)
वसीयतनामा
जुज़ (1)

मैंकि मुहावा उमर 55 साल
पुत्र होशी पुत्र मांती सकना
तालाब पटवारी बेरकपुर
तहसील उना ज़िला बिलासपुर हि.प्र.
का हूं।
जोकि मेरे बूढ़ा आदमी है,
इस बुढ़ापा में सेवा मेरी करते है।
मेरे गांव तालाब पटवारी
बेरकपुर तहसील उना ज़िला
बिलासपुर में मौजीक मकान
का मालिक व काबिज़ है और
जायदाद [illegible] का भी मालिक
व काबिज़ है।
मेरे पुत्र कोई नहीं है।
मेरे पास पुत्रियां श्रीमति
रामप्यारी, रोशनी, सरला,
रामपती, मनोहर उम पत्नी
श्रीमति प्रयागू है।
मेरे ने अपनी चार पुत्रियां
श्रीमति रामप्यारी, रोशनी, सरला,
रामपती की शादियां कर दी है।
व वह अपने अपने सुसराल आबाद है।
व मेरे ने उन को माफी लगा
व रहेज़ दिया है और वह
मेरी सेवा नहीं करती है।
श्रीमति प्रयागू पत्नी मेरे

23/8/90

अध्याय बारीयती ..... में
विज्ञात ..... नकल है।
शुल्क ..... है।
332

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
23/8/90

तहसील ..... नाम एवं .....
तकना ..... तहसील .....
जिला हिमाचल प्रदेश ने आज दिनांक 23-8-1990
तदानुसार ..... बजे दिन कार्यालय उप रजिस्ट्रार
उपर में अपने रजिस्ट्रेशन पेश किया।

पेश कर्ता

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
23/8/90

मजमून

मैंने सेवा में किस्म मतीनती
अर्ज है और मांदा भी मतना
करती है। मतलाशुदा उज़्रदार की
वाकीमतना करती है।

मो उज़्रदार तैयीत मी ने मे
अपनी जुमतनाजायिद मनकूला
व गैरमनकूला हरकिस की
वसीयत बहक श्रीमति प्रभाग
पत्नी स्वतवा पुत्र मोती सरना
ग्राम व पटवारवहादुर तैहसील
सदर जिला बिलासपुर हि. प्र. पत्नी
रहन कर के करार करता है
और लिख देता है कि जब तक
उज़्रदार हयात है उज़्रदार अपनी
जुमतनाजायिद मनकूला व गैरमनकूला
हरकिस का मालिक व काबिज
रहेगा। बाद वफात उज़्रदार मेरी
जुमतनाजायिद मनकूला व गैरमनकूला
हरकिस वारसान ग्राम व
पटवार बहादुर तैहसील सदर
जिला बिलासपुर व जहां भी हो मी
श्रीमति प्रभाग पत्नी उज़्रदार बारस
वारसान व मालिक व काबिज
तसबर होंगी किसी दीगर वारस
या उज़्रदार की औलाद का इस मे
कोई तरह का वारसा वा होगा।
जुमतनाजायिद हरकिस उज़्रदार
मैं जो जो हक़ उज़्रदार को
हासल है वह तमाम वाद
वफात उज़्रदार मेरी मतनाजायिदा
के हासल होंगे।

उज़्रदार

23-8-90

उक्त वसीयत नामा हजा श्री उजागर सिंह
हुरफ व हरूफ पढ़कर सुनाया व समझाया गया। जिसने
इस वसीयत की तमाम तफ्सील व लकमील को सुन व
समझकर सही तस्लीम किया। इसकी गवाही
श्री गोवर्धन राम नम्बरदार दे रहे हैं। जिनसे मैं स्वयं
परिचित हूँ। लिहाजा वसीयत हजा तस्दीक किया
जाता है सर्ट रजिस्टर होवे।

पेश कर्ता

गवाह गण

गोवर्धन राम नंबरदार
काली कमांड

Sub Registrar Sadar
Distt. Dilnagar (U.P.)
23/8/90

मैं प्रमाणित करता हूँ कि पेश कर्ता ने अंगूठा निशान
मेरे सामने लगाया है।

Sub Registrar Sadar
Distt. Dilnagar (U.P.)
23/8/90

27.1
गुलाब

No. 709492 A 19/8/9 **Himachal Government Judicial Paper**

नुक्ता 3

उपरोक्त में लिखे पहिले मौर्द मकतावेज़
किसी केस में तैयार नहीं
कराई है। अगर बाद वक्त उपरोक्त
मौर्द कारण किसी जाली मकतावेज़
की बिना पर पार्टी कार्टी ने वह
केस दुबारा मौर्द दायर कर
होगी और वसीयतनामा देज़ा
पर पूरा पूरा अमल होगा।
हिस्सा 1/2 मकान बतौर
वसीयतनामा के किसी होना व
हकदार वुद्ध बिहा तरीके गैर
मकदूर उपरोक्त वसीयतनामा तैयार
कर देता है कि सनद रहे।
तिथि 22-8-96 वि० बिलासपुर

उपरोक्त मुद्दा — अ. _____ उपरोक्त मुद्दा

के चन्द्र — उपरोक्त — श्री सुरिन्दर कुमार
पुत्र मोहन — श्री नज़र पुत्र कालीराम
पुत्र जाहिर — पुत्र रामदित्ता
समा स्थान — समा स्थान
परगना बिलासपुर — परगना बिलासपुर

Surinder Kumar

वसीयतनामा देज़ा में कुल 3 2 2 2 लफ्ज़ हैं।

1056
22-8-96

मुहर्रर वकील व
वसीयतनवीस
बिलासपुर

नकल मुताबिक असल है।
तिथि 22-8
वि० नकल कुंदन
मुहर्रर मुंशी वकील व
वसीयतनवीस बिलासपुर

1056
22-8-96

Registration No. 162 in Book 3
Date 91 on page/pages 96 Dt. 23.01
Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
23/8/96